341

The circular sent by the Union Law Minister seeks to obviate this controversy and pave the way for smooth transfer of Judges.

The Advocates' Association of Western India at its meeting has passed a unanimous resolution protesting against the circular sent by the Union Law Minister to the Chief Ministers and has also urged the Chief Justice of India to protest against the action of the Union Law Minister.

The subject matter of the circular has far-reaching consequences from the point of view of free and independent functioning of the judiciary. The Union Law Minister should therefore make a statement clarifying the position in this regard.

(V) REPORTED INADEQUATE SUPPLY OF YARN TO TEXTILE INDUSTRY IN WEST BENGAL

SHRI MUKUNDA MANDAL (Mathurapur): Sir under Rule 377. raise the following matter of urgent public importance.

The textile industry of West Bengal had earned credit by superior artistry and workmanship till three decades back. But, with time, it took back seat, mainly due to inadequate supply of yarn. The reason for this is the steady increase in the cotton freight from the cotton growing areas in the west and north, which was not pooled or equalized on the lines of freight equalization for steel, etc. The State was also neglected so far as synthetic products are concern-ing cotton prices. Although it is pertinent to safeguard the legit nate interests of the cotton growers to encourage and ensure sustained promotion of better quality of cotton, cropvigilance is also necessary as guarantee against erratic fluctuation in cotton prices.

I, therefore, demand an assurance of steady supply of the principal raw material at a reasonable price in West Bengal.

(vi) SHORTAGE OF POLIO-VACCINE DELHI AND OTHER PARTS OF COUNTRY

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): सम्पूर्ण दिल्ली ग्रौर देश के ग्रन्य इलाकों में किसी भी ग्रस्पताल में पिछले कई महीनों से पोलियो रोकने की दवा (ड्राप्स) उपलब्ध नहीं है । इससे बच्चों को यह भयानक रोग होने का भारी खतरा पैदा हो गया है। एक ग्रोर पिछले सप्ताह स्वास्थ्य मंत्रालय ने जी ग्राई जी के जरिये एक प्रेस विज्ञाप्ति में पोलियो के खतरे से सावधान किया था ग्रीर दूसरी ग्रीर ग्रस्पतालों में डाप्स दवा उपलब्ध नहीं

कहा जाता है कि दिल्ली में पोलियों रोकने की ड़ाप्स यानी दवा उपलब्ध तो है लेकिन इसको टैस्ट करने के लिए बम्बई भेजा गया है ग्रौर जब तक इसकी रिपोर्ट वहां से नहीं ग्राएगी, तब तक यह दवा बच्चों को नहीं दी जा सकती है।

पहले इस दवा को टैस्ट करने का कार्य दिल्ली में ही होता था लेकिन अब वह बन्द हो गया है । ग्राश्चर्य की बात है कि जब देश की राजधानी में ऐसा ह[ी] रहा है तो देश के दूसरे भागों में क्या हो रहा होगा, इसका ग्रनुमान लगाने से **ग्रा**त्मा कांप जाती है ।

सरकार की लापरवाही के कारण देश ग्रौर इसकी राजधानी के लाखों करोडों बच्चे इस भयंकर बीमारी की ग्राशंका से ग्रस्त हैं ग्रौर स्वास्थ्य मंत्रालय कानों में रूई डाले बैठा है।

सर्वविदित है कि बच्चों को पैदा होते ही कुछ ही समय के भीतर पे। लियो रोकने की दवा दी जाती है लेकिन इस दवा के उपलब्ध नहीं होने से नवजात शिश भगवान की दया पर निर्भर हैं।